03 मार्च, 2021

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय को मिली यूजीसी की 12-बी मान्यता

- यूजीसी से विभिन्न मदों में वित्तीय अनुदान मिल सकेगा
- 2(F) के बाद सांची विश्वविद्यालय को मिली 12-B मान्यता
- यूजीसी एवं केंद्रीय संस्थाओं से अनुदान मिलने का रास्ता खुला
- अपने उद्देश्यों की प्राप्ति में और मेहनत करेंगे-कुलपति

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से 12-बी की मान्यता प्रदान की गई है। 12-बी हेतु सांची विश्वविद्यालय के प्रस्ताव और उक्त संदर्भ में 16-17 जनवरी को यूजीसी विशेषज्ञ समिति द्वारा की गई अनुशंसा के आधार पर यूजीसी स्टेंडिंग कमेटी ने सांची विश्वविद्यालय को 12-बी जारी करने का निर्णय लिया। 18 फरवरी को यूजीसी की 550वीं बैठक में सांची विश्वविद्यालय को 12-बी मान्यता पर निर्णय हुआ।

सांची विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 के नियम 12-बी की मान्यता प्राप्त होने से अकादमिक कार्यों, विभिन्न विभागीय शोध परियोजनाओं, नए अध्ययन केंद्र की स्थापना, विशेष अध्ययन पीठ हेतु आर्थिक सहायता मिल सकेगी। 12-बी एवं 2 एफ में पंजीकृत विश्वविद्यालयों एवं संस्थाओं को यूजीसी संगोष्ठी एवं समारोह, लाइब्रेरी, शिक्षण एवं आधारभूत संरचना जैसे अलग-अलग मदों में वित्तीय अनुदान देता है। यूजीसी के अलावा केंद्र की अन्य संस्थाओं से भी सांची विश्वविद्यालय को वित्तीय एवं अलग-अलग मदों में सहायता मिल सकेगी। यूजीसी द्वारा संचालित शोधसिंधु डेटाबेस का लाभ भी 12-बी प्राप्त होने से मुफ्त में मिल सकेगा। शोध सिंधु में देशभर में हो रही शोध परियोजनाओं एवं जर्नल्स का डेटाबेस है।

इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ नीरजा गुप्ता ने हर्ष जताते हुए कहा कि सांची विश्वविद्यालय अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु और ज्यादा मेहनत करेगा। डॉ गुप्ता ने कहा कि 12-बी प्राप्त होने से विश्वविद्यालय में सुविधाओं और शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर करने में मदद मिलेगी। उन्होंने इस अवसर पर संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव और कुलपति रहे श्री शिवशेखर शुक्ला को विशेष धन्यवाद देते हुए छात्रों, अध्यापकों एवं स्टॉफ को उपलब्धि के साथ जुड़ी चुनौतियों के लिए अभी से जुट जाने का आव्हान किया। कुलपति महोदया ने यूजीसी द्वारा सांची विश्वविद्यालय को जल्द से जल्द NAAC सर्टिफिकेट प्राप्त करने के पत्र पर कार्यवाही हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया है।

मध्य प्रदेश शासन संस्कृति मंत्रालय अंतर्गत वर्ष 2012 में गठित सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय अकादमिक उत्कृष्टता की ओर अग्रसर है। बौद्ध एवं भारतीय दर्शन के विभिन्न आयामों पर गहन शोध एवं उच्चस्तरीय अध्ययन के उद्देश्य से स्थापित सांची विश्वविद्यालय ने स्थापना के बाद से ही शोध और पुरातन विषय़ों के अध्ययन अध्यापन में अनूठी पहचान बनाई है।

कृपया उक्त समाचारों को आपके माध्यमों पर उचित स्थान प्रदाय करने का अनुरोध है। उक्त समाचार आपको **अंग्रेज़ी भाषा** में भी प्रदाय किया जा रहा है कृपया अपने अंग्रेज़ी संस्करणों/समाचार पत्रों में प्रकाशित करने का अनुरोध है।

Sanchi University of Buddhist-Indic Studies gets 12-B accreditation of UGC

Financial grants will be available from UGC in various items
Sanchi University got 12-B accreditation after 2 (F)
Will work harder to achieve slated objectives - VC

Sanchi University of Buddhist-Indic Studies has been included by University Grant Commission (UGC) under Section 12 (B) of UGC act, 1956. Based on the proposal of Sanchi University for 12-B and the recommendation made by the UGC

Expert Committee on 16-17 January in the above context, the UGC Standing Committee decided to issue 12-B to Sanchi University. The 550th meeting of the UGC on February 18 decided on 12-B recognition for Sanchi University of Buddhist-Indic Studies.

With 12(B), Sanchi University has been declared fit to receive UGC grant as central assistance. UGC Under Secretary Dr Naresh Kumar Sharma has sent a letter to the university informing about the decision. UGC provides financial assistance to only those universities, colleges which are in its list under section 12(B) of the UGC act ,1965. Now Sanchi University will be eligible to get financial assistance from UGC for minor/major research projects, organizing seminars, posts of teachers under various schemes, new study centers and other facilities. Apart from UGC, Sanchi University will also be able to get financial and other assistance from other institutions of the Center. The benefit of Shodsindhu database operated by UGC will also be available for free by getting 12-B. Shodsindhu has a database of research projects and journals taking place across the country.

Expressing happiness over this achievement, the Vice Chancellor of the University Dr. Neerja Gupta said that Sanchi University will work harder to achieve its objectives. Dr. Gupta said that getting 12-B will help in further improving the facilities and quality of education in the University. On this occasion, she extended special thanks to Shri Shivsekhar Shukla, Principal Secretary of the Department of Culture and called upon the students, teachers and staff to join hands for the challenges associated with this achievement. Madam Vice Chancellor has directed the authorities to take action on the letter from UGC to Sanchi University to get NAAC certificate as soon as possible.

Sanchi University of Buddhist-Indic Studies, formed in the year 2012 under the Ministry of Culture, Government of Madhya Pradesh, is heading towards academic excellence. Established for the purpose of in-depth research and high-level study on various dimensions of Buddhist and Indian philosophy, Sanchi University has made a unique mark in research and teaching of ancient subjects since its inception.

भोपाल, गुरुवार 04 मार्च, 2021

नवदुनिया सिटी

www.naidunia.com

सांची बौद्ध विश्वविद्यालय को मिली यूजीसी की 12-बी मान्यता

रायसेन (नवदुनिया प्रतिनिधि)। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से 12-बी की मान्यता प्रदान की गई है। 16-17 जनवरी को यूजीसी विशेषज्ञ समिति द्वारा की गई अनुशंसा के आधार पर यूजीसी स्टेंडिंग कमेटी ने निर्णय लिया। 18 फरवरी को यूजीसी की 550वीं बैठक में निर्णय हुआ।

सांची विवि को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 के नियम 12-बी की मान्यता प्राप्त होने से अकादमिक कार्यो, विभिन्न विभागीय शोध परियोजनाओं, नए अध्ययन केंद्र की स्थापना, विशेष अध्ययन पीठ हेतु आर्थिक सहायता मिल सकेगी। 12-बी एवं 2 एफ में पंजीकृत विश्वविद्यालयों एवं संस्थाओं को यूजीसी संगोष्ठी एवं समारोह, लाइब्रेरी, शिक्षण एवं आधारभूत संरचना जैसे अलग-अलग मदों में वित्तीय अनुदान देता है। यूजीसी के अलावा केंद्र की अन्य संस्थाओं से भी सांची विश्वविद्यालय को वित्तीय एवं अलग.अलग मदों में सहायता मिल सकेगी। यूजीसी द्वारा संचालित शोधसिंधु डेटाबेस का लाभ भी 12-बी प्राप्त होने से मुफ्त में मिल सकेगा। शोध सिंधु में देशभर में हो रही शोध परियोजनाओं एवं जर्नल्स का डेटाबेस है। इस उपलब्धि पर कुलपति डॉ. नीरजा गुप्ता ने हर्ष जताते हुए कहा कि सांची विवि अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु और ज्यादा मेहनत करेगा।

सांची विवि की नवनियुक्त कुलपति डॉ. नीरजा गुप्ता।

डॉ. गुप्ता ने कहा कि 12-बी प्राप्त होने से विवि में पु[illegible]ओं और शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर करने में मदद मिलेगी। उन्होंने इस अवसर पर संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव और कुलपति रहे शिव शेखर शुक्ला को विशेष धन्यवाद देते हुए छात्रों, अध्यापकों एवं स्टॉफ को उपलब्धि के साथ जुड़ी चुनौतियों के लिए अभी से जुट जाने का आव्हान किया। कुलपति ने यूजीसी द्वारा सांची विश्वविद्यालय को जल्द से जल्द 12-बी सर्टिफिकेट प्राप्त करने निर्देशित किया है। बौद्ध एवं भारतीय दर्शन के विभिन्न आयामों पर गहन शोध एवं उच्चस्तरीय अध्ययन के उद्देश्य से स्थापित सांची विश्वविद्यालय ने स्थापना के बाद से ही शोध और पुरातन विषयों के अध्ययन अध्यापन में अनूठी पहचान बनाई है।

रायसेन आसपास | पत्रिका | 09 | पत्रिका
भोपाल, गुरुवार, 04 मार्च, 2021

सांची यूनिवर्सिटी को मिली यूजीसी की 12-बी मान्यता

अब यूजीसी से विभिन्न मदों में मिलेगा वित्तीय अनुदान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

[illegible]न. सांची बौद्ध, भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से 12-बी की मान्यता दी गई है। 12-बी के लिए सांची विश्वविद्यालय के प्रस्ताव पर 16-17 जनवरी को यूजीसी विशेषज्ञ समिति द्वारा की गई अनुशंसा के आधार पर यूजीसी स्टेंडिंग कमेटी ने 12-बी जारी करने का निर्णय लिया है। 18 फरवरी को यूजीसी की 550वीं बैठक में सांची विश्वविद्यालय को 12-बी मान्यता पर निर्णय हुआ।

अब सांची विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 के नियम 12-बी की मान्यता प्राप्त होने से अकादमिक कार्यों, विभिन्न विभागीय शोध परियोजनाओं, नए अध्ययन केंद्र की स्थापना, विशेष अध्ययन पीठ के लिए आर्थिक सहायता मिल सकेगी। 12-बी एवं 2 एफ में पंजीकृत विश्वविद्यालयों एवं संस्थाओं को यूजीसी संगोष्ठी एवं समारोह, लाइब्रेरी, शिक्षण एवं आधारभूत संरचना जैसे अलग-अलग मदों में वित्तीय अनुदान देता है। यूजीसी के अलावा केंद्र की अन्य संस्थाओं से भी सांची विश्वविद्यालय को वित्तीय एवं अलग-अलग मदो मे सहायता मिल सकेगी। यूजीसी द्वारा संचालित शोध सिंधु डेटाबेस का लाभ भी 12-बी प्राप्त होने से मुफ्त मे मिल सकेगा। शोध सिंधु में देशभर में हो रही शोध परियोजनाओं एवं जर्नल्स का डेटाबेस है।

रायसेन. सांची यूनिवर्सिटी।

उद्देश्यों के लिए करेंगे मेहनत

इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. नीरजा गुप्ता ने खुशी जताते हुए कहा कि सांची विश्वविद्यालय अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए और ज्यादा मेहनत करेगा। डॉ. गुप्ता ने कहा कि 12-बी प्राप्त होने से विश्वविद्यालय में सुविधाओं और शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर करने में मदद मिलेगी।

दैनिक जागरण
04 मार्च 2021
www.jagranmp.com/epaper

सांची विश्वविद्यालय को मिली यूजीसी की 12-बी मान्यता

कार्यालय प्रतिनिधि, भोपाल। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से 12-बी की मान्यता प्रदान की गई है। 12-बी हेतु सांची विश्वविद्यालय के प्रस्ताव और उक्त संदर्भ में 16-17 जनवरी को यूजीसी विशेषज्ञ समिति द्वारा की गई अनुशंसा के आधार पर यूजीसी स्टेंडिंग कमेटी ने मान्यता जारी करने का निर्णय लिया। 18 फरवरी को यूजीसी की 550वीं बैठक में सांची विश्वविद्यालय को 12-बी मान्यता पर निर्णय हुआ।

सांची विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 के नियम 12-बी की मान्यता प्राप्त होने से अकादमिक कार्यों, विभिन्न विभागीय शोध परियोजनाओं, नए अध्ययन केंद्र की स्थापना, विशेष अध्ययन पीठ हेतु आर्थिक सहायता मिल सकेगी। 12-बी में पंजीकृत विश्वविद्यालयों एवं संस्थाओं को यूजीसी संगोष्ठी एवं समारोह, लाइब्रेरी, शिक्षण एवं आधारभूत संरचना जैसे अलग-अलग मदों में वित्तीय अनुदान देता है। कुलपति डॉ नीरजा गुप्ता ने हर्ष जताते हुए कहा कि सांची विश्वविद्यालय अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु और ज्यादा मेहनत करना होगा।

दैनिक भास्कर

दैनिक भास्कर
भोपाल, गुरुवार 04 मार्च, 2021

सांची विश्वविद्यालय को मिली यूजीसी की 12-बी मान्यता

भास्कर संवाददाता | रायसेन

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से 12-बी की मान्यता प्रदान की गई है। यह मान्यता मिलने के बाद अब सांची विश्वविद्यालय को यूजीसी से अकादमिक कार्यों, विभिन्न विभागीय शोध परियोजनाओं, नए अध्ययन केंद्र की स्थापना, विशेष अध्ययन पीठ हेतु आर्थिक सहायता मिल सकेगी।

12-बी एवं 2 एफ में पंजीकृत विश्वविद्यालयों एवं संस्थाओं को यूजीसी संगोष्ठी एवं समारोह, लाइब्रेरी, शिक्षण एवं आधारभूत संरचना जैसे अलग-अलग मदों में वित्तीय अनुदान देता है। यूजीसी के अलावा केंद्र की अन्य संस्थाओं से भी सांची विश्वविद्यालय को वित्तीय एवं अलग-अलग मदों में सहायता मिल सकेगी। यूजीसी द्वारा संचालित शोध सिंधु डेटाबेस का लाभ भी 12-बी प्राप्त होने से मुफ्त में मिल सकेगा। शोध सिंधु में देशभर में हो रही शोध परियोजनाओं एवं जर्नल्स का डेटाबेस है।

इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. नीरजा गुप्ता ने कहा कि सांची विश्वविद्यालय अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए ज्यादा मेहनत करेगा।

08 मार्च, 2021

सांची विश्वविद्यालय में महिला दिवस पर कई आयोजन

- ग्राम बिलारा और बारला की महिलाओं संग मनाया महिला दिवस
- ग्रामीण महिलाओं के साथ शिक्षकों ने खेली म्यूज़िकल चेयर रेस
- तटस्थ होकर फैसले लेने से महिला सशक्त होंगी- डॉ. मोनिका शुक्ला, मुख्य अतिथि
- अपनी खोल से निकलकर ही नई ऊंचाइयां छू सकती हैं महिलाएं- डॉ. नीरजा गुप्ता

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन महिलाओं की अगुआई में हुआ। महिलाओं के लिए, महिलाओं द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय प्रांगण के नज़दीक बसे गांव बिलारा व बारला की महिलाएं सम्मिलित हुई व कन्यापूजन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रायसेन की एस.पी डॉ मोनिका शुक्ला ने 'महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण' पर संबोधित किया।

डॉ शुक्ला ने कहा कि महिलाओं को सशक्त होने के लिए तथस्थ होकर फैसला लेने की क्षमता विकसित करनी होगी। उन्होंने कहा कि महिलाएं तभी सशक्त हो सकती हैं सकती हैं जब वे अपने ऊपर होने वाले आर्थिक, मानसिक व शारीरिक भेदभाव को रिपोर्ट करेंगी। डॉ शुक्ला ने छात्राओं व महिलाओं को सलाह दी कि कार्य व जीवन में बैलेंस(सम) आवश्यक है।

डॉ शुक्ला का कहना था कि स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों में सप्ताह में एक बार काउंसलिंग का पीरियड होना चाहिए ताकि कोई भी छात्रा/महिला अपने ऊपर हुए दुर्व्यहार को रिपोर्ट कर सके। उन्होने सलाह दी कि लड़कियों को बचपन से गुड टच, बेड के बारे में बताना चाहिए और माता पिता को बच्चियों के व्यवहार को समझना चाहिए।

विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ नीरजा गुप्ता ने अपने उद्बोधन के द्वारा महिलाओं को प्रेरित किया। उन्होंने इस वर्ष के ध्येय वाक्य - Choose to Challenge को साकार करने की आवश्यकता जताई। अपने उद्बोधन में उन्होंने पंजाब और बिहार की दो महिलाओं के साथ बीती सच्ची घटनाओं के ज़रिए प्रेरित किया। उनका कहना था कि महिलाओं को **आगे बढ़ने के लिए अपने कंफर्ट ज़ोन(खोलों) से निकलना होगा ताकि वे आसमान की ऊंचाइयों को छू सकें**। ग्राम बारला एवं बिलारा की महिलाओं ने भी कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

महाभारत में द्रोपदी चीरहरण के दृश्य पर कृष्ण व अर्जुन के बीच हुए संवाद का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि करुणा के माध्यम से ही धर्म का निर्वह्न हो सकता है। उन्होने कहा कि लक्ष्मण रेखा रावण के लिए बनी थी लेकिन कब वो सीता के लिए बन गई पता ही नहीं चला और मौजूदा दौर में हमें पुराने कथानकों का पुनः पाठ करने की आवश्यकता है। बिलारा ग्राम से आई हुई महिलाओं से उन्होंने कहा कि वे उन्हें सलाम करती हैं क्योंकि वे जीवन के अनुभवों से सीखती हैं।

कुलपति डॉ नीरजा गुप्ता महिला दिवस पर उत्तराखंड के कुमाउं विश्वविद्यालय, गुजरात विश्वविद्यालय में ऑनलाइन एवं माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के समारोह में भी सम्मिलित हुई। सांची विश्वविद्यालय में आयोजित इस महिला दिवस कार्यक्रम में ही ग्राम बिलारा की महिलाओं एवं कन्याओं के साथ विश्वविद्यालय की महिला शिक्षकों व कर्मचारियों तथा छात्राओं ने म्यूज़िकल चेयर रेस का भी लुत्फ उठाया।

दैनिक भास्कर

रायसेन 09-03-2021

सिटी लोकल

महिला दिवस• सांची विवि द्वारा महिलाओं के लिए महिलाओं द्वारा रखा गया कार्यक्रम

तटस्थ होकर फैसले लेने से महिलाएं सशक्त होंगीः एसपी मोनिका शुक्ला

भास्कर संवाददाता| रायसेन

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन महिलाओं की अगुआई में हुआ। महिलाओं के लिए, महिलाओं द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय प्रांगण के नजदीक बसे गांव बिला राव बारला की महिलाएं सम्मिलित हुई व कन्यापूजन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रायसेन की एसपी डॉ मोनिका शुक्ला ने महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण पर संबोधित किया।

डॉ शुक्ला ने कहा कि महिलाओं को सशक्त होने के लिए तटस्थ होकर फैसला लेने की क्षमता विकसित करनी होगी। उन्होंने कहा कि महिलाएं तभी सशक्त हो सकती हैं,जब वे अपने ऊपर होने वाले आर्थिक, मानसिक व शारीरिक भेदभाव को रिपोर्ट करेंगी। डॉ शुक्ला का कहना था कि स्कूलों, कॉलेजों में सप्ताह में एक बार काउंसलिंग का होना चाहिए। इससे कोई भी छात्रा अपने साथ हुए गलत व्यवहार की रिपोर्ट कर सके। उन्होंने सलाह दी कि लड़कियों को बचपन से गुड टच, बेड के बारे में बताना चाहिए और माता पिता को बच्चियों के व्यवहार को समझना चाहिए।

महिला दिवस पर महिला का सम्मान करतीं पुलिस अधीक्षक।

चूज टू चैलेंज को साकार करने की आवश्यकता

विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ नीरजा गुप्ता ने महिलाओं को प्रेरित किया। उन्होंने इस वर्ष के ध्येय वाक्य - चूज टू चैलेंज को साकार करने की आवश्यकता जताई। अपने उद्बोधन में उन्होंने पंजाब और बिहार की दो महिलाओं के साथ बीती सच्ची घटनाओं के जरिए प्रेरित किया। उनका कहना था कि महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए अपने कंफर्ट जोन(खोलों) से निकलना होगा, ताकि वे आसमान की ऊंचाइयों को छू सकें। बारला एवं बिला रा की महिलाओं ने भी कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

करुणा के माध्यम से धर्म हो प्रचार हो सकता है

महाभारत में द्रोपदी चीरहरण के दृश्य पर कृष्ण व अर्जुन के बीच हुए संवाद का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि करुणा के माध्यम से ही धर्म का निर्वहन हो सकता है। उन्होंने कहा कि लक्ष्मण रेखा रावण के लिए बनी थी, लेकिन कब वो सीता के लिए बन गई पता ही नहीं चला और मौजूदा दौर में हमें पुराने कथानकों का फिर से पाठ करने की आवश्यकता है। बिला रा गांव से आई हुई महिलाओं से उन्होंने कहा कि वे उन्हें सलाम करती हैं, क्योंकि वे जीवन के अनुभवों से सीखती हैं।

म्यूजिक चेयर रेस भी हुई

कुलपति डॉ नीरजा गुप्ता महिला दिवस पर उत्तराखंड के कुमाउं विश्वविद्यालय, गुजरात विश्वविद्यालय में ऑनलाइन एवं माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के समारोह में भी सम्मिलित हुई। सांची विश्वविद्यालय में आयोजित इस महिला दिवस कार्यक्रम में ही ग्राम बिला रा की महिलाओं एवं कन्याओं के साथ विश्वविद्यालय की महिला शिक्षकों व कर्मचारियों तथा छात्राओं ने म्यूजिकल चेयर रेस का भी लुत्फ उठाया।

टीबी जन आंदोलन के तहत केमिस्ट सम्मानीकरण कार्यशाला

if=dk jk;lu fnukd 09-03-2021

ग्रामीण महिलाओं के साथ शिक्षकों ने खेली म्यूजिकल चेयर रेस

रायसेन. सांची बौद्ध, भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन महिलाओं की अगुआई में हुआ। महिलाओं के लिए, महिलाओं द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय प्रांगण के नजदीक बसे गांव बिलारा व बारला की महिलाएं सम्मिलित हुईं। कार्यक्रम का शुभारंभ कन्यापूजन से हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रायसेन की एसपी मोनिका शुक्ला ने कहा कि महिलाओं को सशक्त होने के लिए तटस्थ होकर फैसला लेने की क्षमता विकसित करनी होगी, उन्होंने कहा कि महिलाएं तभी सशक्त हो सकती हैं सकती हैं जब वे अपने ऊपर होने वाले आर्थिक, मानसिक व शारीरिक भेदभाव को रिपोर्ट करेंगी, उन्होंने सलाह दी कि कार्य व जीवन में संतुलन आवश्यक है। विवि की कुलपति डॉ. नीरजा गुप्ता ने महिलाओं को पंजाब और बिहार की दो महिलाओं के साथ बीती सच्ची घटनाओं के जरिए प्रेरित किया। उनका कहना था कि महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए अपने खोलों से निकलना होगा, ताकि वे ऊंचाइयों को छू सकें। ग्राम बारला एवं बिलारा की महिलाओं ने भी कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर विवि की महिला शिक्षकों व कर्मचारियों तथा छात्राओं ने म्यूजिकल चेयर रेस का भी लुफ्त उठाया।

नवदुनिया
भोपाल, मंगलवार 09 मार्च, 2021

रायसेन जिला

www.naidunia.com

रैली में स्कूटर पर सवार 'शक्ति' को देख सभी ने किया वंदन-अभिनंदन

आयोजन ● अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर नवदुनिया की विमेंस स्कूटर रैली में शामिल हुई शहर की महिलाएं

नवदुनिया विमेंस स्कूटर रैली

रायसेन सांची विवि परिसर में नवदुनिया विमेंस स्कूटर रैली का शुभारंभ करती दाहिनी ओर एसपी मोनिका शुक्ला और बायीं ओर झंडी दिखाती हुईं कुलपति डॉ. नीरजा गुप्ता। ● फोटो : उमाशंकर श्रीवास्तव

सांची विवि में नवदुनिया विमेंस स्कूटर रैली में भाग लेती हुई महिलाएं। ● नवदुनिया

रायसेन(नवदुनिया प्रतिनिधि)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जिले भर में नारी शक्ति का सम्मान किया गया। नवदुनिया विमेंस स्कूटर रैली का आयोजन दोपहर 12 बजे सांची विश्वविद्यालय परिसर बारला व सुबह 8 बजे रायसेन स्टेडियम में किया गया। सांची विवि परिसर में रैली का शुभारंभ मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक डॉ. श्रीमती मोनिका शुक्ला और कुलपति डॉ. श्रीमती नीरजा गुप्ता ने किया। रैली में भाग लेने वाली प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। रैली से पूर्व सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन महिलाओं की अगुआई में हुआ।

महिलाओं के लिए महिलाओं द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय प्रांगण के नदीक बसे गांव बिलारा व बारला की महिलाएं सम्मिलित हुईं व कन्यापूजन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि एसपी डॉ. शुक्ला ने महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण पर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सशक्त होने के लिए तटस्थ होकर फैसला लेने की क्षमता विकसित करनी होगी। उन्होंने कहा कि महिलाएं तभी सशक्त हो सकती हैं सकती हैं जब वे अपने ऊपर होने वाले आर्थिक, मानसिक व शारीरिक भेदभाव को रिपोर्ट करेंगी। डॉ. शुक्ला ने छात्राओं व महिलाओं को सलाह दी कि कार्य व जीवन में सामंजस्य जरूरी है। स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों में सप्ताह में एक बार काउंसलिंग का पीरियड होना चाहिए ताकि कोई भी छात्रा, महिला अपने ऊपर हुए दुर्व्यवहार की रिपोर्ट कर सके। उन्होंने सलाह दी कि लड़कियों को बचपन से गुड टच, बेड के बारे में बताना चाहिए और माता- पिता को बच्चियों के व्यवहार को समझना चाहिए। कुलपति डॉ. नीरजा गुप्ता ने अपने उद्बोधन से महिलाओं को प्रेरित किया। उन्होंने इस वर्ष के ध्येय वाक्य चयन से चुनौती को साकार करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने पंजाब और बिहार की दो महिलाओं के साथ बीती सच्ची घटनाओं के लिए प्रेरित किया। उनका कहना था कि महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए अपने कंफर्ट जोन से निकलना होगा ताकि वे आसमान की ऊंचाइयों को छू सकें। ग्राम बारला एवं बिलारा की महिलाओं ने भी कार्यक्रम प्रस्तुत किए। महाभारत में द्रोपदी चीरहरण के दृश्य पर कृष्ण व अर्जुन के बीच हुए संवाद का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि करुणा के माध्यम से ही धर्म का निर्व- हो सकता है। कुलपति डॉ. गुप्ता महिला दिवस पर उत्तराखंड के कुमाऊं विश्वविद्यालय, गुजरात विश्वविद्यालय में ऑनलाइन एवं माखनलाल विश्वविद्यालय के समारोह में भी सम्मिलित हुईं। सांची विश्वविद्यालय

सांची विवि परिसर में महिलाओं को नवदुनिया की ओर से विमेंस स्कूटर रैली में भाग लेने पर प्रमाण पत्र वितरित किए गए। ● नवदुनिया

कार्यक्रम में ही ग्राम बिलारा की महिलाओं के साथ विश्वविद्यालय की महिला शिक्षकों व कर्मचारियों तथा छात्राओं ने म्यूजिकल चेयर रेस का भी लुत्फ उठाया। विवि की वंदना जैन, गाथा त्रिवेदी, अदिति गौर, विभा शर्मा, प्राची अग्रवाल, चित्रा मनकर, डॉ. रितु श्रीवास्तव, डॉ. सुमित्रा नंदी, मितिका शर्मा, नीलम चंद्रवंशी, डॉ. अंजली दुबे, सुचित्रा सोनवानी, प्रमिला धाकड़, सोनू मंडलोई सहित बारला ग्राम की कई महिलाओं को नवदुनिया की ओर से प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

पुलिसकर्मियों का सम्मान: स्टेडियम में नवदुनिया विमेंस स्कूटर रैली का शुभारंभ जिला महिला बाल विकास अधिकारी ज्ञानेश खरे ने झंडी दिखाकर किया। कार्यक्रम में ओम शांति एड एजेंसी के संचालक अंकुर माहेश्वरी भी शामिल हुए। इस दौरान प्रतिभागियों का सम्मान किया। इनमें प्रमुख रूप से एसडीओपी अदिति भावसार, उप निरीक्षक रंजना शर्मा, सूबेदार नीतू ठाकुर, उपनिरीक्षक पदमा बरकरे, प्रधान रीना खरे, आरक्षक निधी तिवारी को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

रायसेन स्टेडियम में नवदुनिया विमेंस स्कूटर रैली में शामिल छात्राएं, महिलाएं। ● नवदुनिया

रायसेन स्टेडियम में महिला पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों का नवदुनिया की ओर से सम्मान किया गया। ● नवदुनिया

सांची विश्वविद्यालय की नई वेबसाइट का लोकार्पण

- संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री सुश्री ऊषा ठाकुर ने किया लॉन्च
- यूजर एवं मोबाइल फ्रेंडली है नवीन वेबसाइट
- आज़ादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला के तहत लोकापर्ण

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की नई वेबसाइट का लोकार्पण प्रदेश की संस्कृति मंत्री सुश्री ऊषा ठाकुर द्वारा किया गया। आज़ादी का अमृत महोत्सव श्रृंखला अंतर्गत संस्कृति मंत्री महोदया द्वारा माऊस को क्लिक कर वेबसाइट के नए संस्करण को जारी किया गया।

विश्वविद्यालय वेबसाइट लोकार्पण अवसर पर मंत्री महोदया ने कुलपति डॉ. नीरजा गुप्ता को बधाई दी। कुलपति महोदया ने संस्कृति मंत्री को अवगत कराया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय की वेबसाइट को अधिक से अधिक छात्रों एवं शिक्षा जगत तक पहुंचाने के उद्देश्य से इसे अंग्रेज़ी में तैयार किया गया है।

कुलपति डॉ नीरजा गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.sanchiuniv.edu.in का हिंदी संस्करण भी शीघ्र उपलब्ध होगा। इसके अलावा अन्य दक्षिण एशियाई देशों की भाषाओं में भी वेबसाइट के कंटेंट को उपलब्ध कराया जाएगा। विश्वविद्यालय की नई वेबसाइट में शोधार्थियों, छात्रों, शिक्षण, परीक्षा इत्यादि संबंधी समस्त जानकारी को अपडेट कर प्रस्तुत किया गया है।

नई वेबसाइट यूजर फ्रेंडली है और विश्वविद्यालय से संबंधित जानकारी के एकल स्रोत के रूप में कार्य करती है। यह वेबसाइट नवीनतम तकनीक पर आधारित है और इसे मोबाइल फ्रेंडली बनाया गया है।

दैनिक भास्कर रायसेन 16-03-2021

संस्कृति मंत्री ऊषा ठाकुर ने किया लोकार्पण

सांची विश्वविद्यालय की नई वेबसाइट का लोकार्पण, मिल पाएंगी सभी जानकारियां

भास्कर संवाददाता | रायसेन

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की नई वेबसाइट का लोकार्पण प्रदेश की संस्कृति मंत्री ऊषा ठाकुर द्वारा किया गया। आजादी का अमृत महोत्सव श्रृंखला अंतर्गत संस्कृति मंत्री द्वारा मास को क्लिक कर वेबसाइट के नए संस्करण को जारी किया गया।

विश्वविद्यालय वेबसाइट लोकार्पण अवसर पर मंत्री ठाकुर ने कुलपति डॉ नीरजा गुप्ता को बधाई दी। कुलपति ने संस्कृति मंत्री को बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय की वेबसाइट को अधिक से अधिक छात्रों एवं शिक्षा जगत तक पहुंचाने के उद्देश्य से इसे अंग्रेजी में तैयार किया गया है।

कुलपति डॉ नीरजा गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय की वेबसाइट हिंदी संस्करण में भी शीघ्र उपलब्ध होगी। इसके अलावा अन्य दक्षिण एशियाई देशों की भाषाओं में भी वेबसाइट के कंटेंट को उपलब्ध कराया जाएगा।

विश्वविद्यालय की नई वेबसाइट में शोधार्थियों, छात्रों, शिक्षण,परीक्षा से संबंधित सभी जानकारियों को अपडेट कर प्रस्तुत किया गया है। नई वेबसाइट यूजर फ्रेंडली है और विश्वविद्यालय से संबंधित जानकारी के एकल स्रोत के रूप में कार्य करती है। यह वेबसाइट नवीनतम तकनीक पर आधारित है और इसे मोबाइल फ्रेंडली बनाया गया है।

वेबसाइट का लोकार्पण करती मंत्री ऊषा ठाकुर।

नवदुनिया
भोपाल, मंगलवार 16 मार्च, 2021

रायसेन पेज

सांची विश्वविद्यालय की नई वेबसाइट का लोकार्पण

रायसेन। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की नई वेबसाइट का लोकार्पण प्रदेश की संस्कृति मंत्री सुश्री ऊषा ठाकुर द्वारा किया गया। आादी का अमृत महोत्सव श्रृंखला अंतर्गत संस्कृति मंत्री ने क्लिक कर वेबसाइट के नए संस्करण को जारी किया। कुलपति डॉ. नीरजा गुप्ता को बधाई दी। वेबसाइट को अधिक से अधिक छात्रों एवं शिक्षा जगत तक पहुंचाने के उद्देश्य से इसे अंग्री में तैयार किया गया है। नई वेबसाइट यूजर फ्रेंडली है और विश्वविद्यालय से संबंधित जानकारी के एकल स्रोत के रूप में कार्य करती है। यह वेबसाइट नवीनतम तकनीक पर आधारित है और इसे मोबाइल फ्रेंडली बनाया गया है। (नप्र)

4

दैनिक भास्कर
मंगलवार, 16 मार्च, 2021

रायसेन पेज

संस्कृति मंत्री ऊषा ठाकुर ने किया लोकार्पण

सांची विश्वविद्यालय की नई वेबसाइट का लोकार्पण, मिल पाएंगी सभी जानकारियां

भास्कर संवाददाता | रायसेन

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की नई वेबसाइट का लोकार्पण प्रदेश की संस्कृति मंत्री ऊषा ठाकुर द्वारा किया गया। आजादी का अमृत महोत्सव श्रृंखला अंतर्गत संस्कृति मंत्री द्वारा मास को क्लिक कर वेबसाइट के नए संस्करण को जारी किया गया।

वेबसाइट का लोकार्पण करती मंत्री ऊषा ठाकुर।

विश्वविद्यालय वेबसाइट लोकार्पण अवसर पर मंत्री ठाकुर ने कुलपति डॉ नीरजा गुप्ता को बधाई दी। कुलपति ने संस्कृति मंत्री को बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय की वेबसाइट को अधिक से अधिक छात्रों एवं शिक्षा जगत तक पहुंचाने के उद्देश्य से इसे अंग्रेजी में तैयार किया गया है।

कुलपति डॉ नीरजा गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय की वेबसाइट हिंदी संस्करण में भी शीघ्र उपलब्ध होगी। इसके अलावा अन्य दक्षिण एशियाई देशों की भाषाओं में भी वेबसाइट के कंटेंट को उपलब्ध कराया जाएगा।

विश्वविद्यालय की नई वेबसाइट में शोधार्थियों, छात्रों, शिक्षण, परीक्षा से संबंधित सभी जानकारियों को अपडेट कर प्रस्तुत किया गया है। नई वेबसाइट यूजर फ्रेंडली है और विश्वविद्यालय से संबंधित जानकारी के एकल स्रोत के रूप में कार्य करती है। यह वेबसाइट नवीनतम तकनीक पर आधारित है और इसे मोबाइल फ्रेंडली बनाया गया है।

रायसेन पत्रिका 10 पत्रिका
भोपाल, मंगलवार, 16 मार्च, 2021

रायसेन पत्रिका

सांची विश्वविद्यालय की नई वेबसाइट का लोकार्पण

रायसेन. भोपाल में किया साइट का लोकार्पण।

रायसेन. सांची बौद्ध, भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की नई वेबसाइट का लोकार्पण प्रदेश की संस्कृति मंत्री सुश्री ऊषा ठाकुर द्वारा किया गया। आजादी का अमृत महोत्सव श्रृंखला अंतर्गत संस्कृति मंत्री ने वेबसाइट के नए संस्करण को जारी किया।

वेबसाइट लोकार्पण अवसर पर मंत्री ने कुलपति डॉ. नीरजा गुप्ता को बधाई दी। गुप्ता ने संस्कृति मंत्री को बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विवि की वेबसाइट को अधिक से अधिक छात्रों एवं शिक्षा जगत तक पहुंचाने के उद्देश्य से इसे अंग्रेजी में तैयार किया गया है। इसका हिंदी संस्करण भी शीघ्र उपलब्ध होगा। इसके अलावा अन्य दक्षिण एशियाई देशों की भाषाओं में भी वेबसाइट के कंटेंट को उपलब्ध कराया जाएगा। विश्वविद्यालय की नई वेबसाइट में शोधार्थियों, छात्रों, शिक्षण, परीक्षा इत्यादि संबंधी समस्त जानकारी को अपडेट कर संकलित किया गया है। नई वेबसाइट यूजर फ्रेंडली है और विवि से संबंधित जानकारी के एकल स्रोत के रूप में कार्य करती है। यह वेबसाइट नवीनतम तकनीक पर आधारित है और इसे मोबाइल फ्रेंडली बनाया गया है।

दैनिक भास्कर भोपाल 17-03-2021

सार्थक एजुविजन कॉन्फ्रेंस... सांची विवि की कुलपति प्रो. गुप्ता ने कहा-

जॉब, मकान और चार पहिया तक सीमित रह गई है शिक्षा, अब बदलाव की जरूरत

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

भारतीय परिदृश्य में शिक्षा पांच बिंदुओं में सिमट गई है। इनमें नौकरी, दो बच्चे, मकान, चार पहिया वाहन और पांच अंकों का वेतन शामिल है, लेकिन अब इस सोच को बदलने की जरूरत है। यह बात सांची विवि की कुलपति प्रो. नीरजा गुप्ता ने प्रशासन अकादमी में सार्थक एजुविजन कांफ्रेंस के दूसरे दिन कही। उन्होंने कहा कि शिक्षा में इसमें जीवन, विश्वास, समाज, राष्ट्र और शांति के लिए जगह नहीं है। अब इस बिंदुओं पर हमें जोर देने की जरूरत है। हम आज भी वही शिक्षा व्यवस्था ढो रहे हैं, जो अंग्रेजों ने हमारी प्रकृति के खिलाफ ही बनाई थी।

गुरुकुल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सिद्धेगौड़ा ने कहा कि टीचिंग और इनोवेशन सबसे बढ़िया सीखने और सिखाने की प्रक्रिया है। उहोंने कहा कि 2030 में भारत सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। एनआरएफ उच्च गुणवत्ता के शोध को प्रोत्साहित करेगा।

प्रशासन अकादमी में सार्थक एजुविजन कॉन्फ्रेंस में चर्चा

विज्ञान स्वायत्त, अब हठ योग की जरूरत : पांडेय

कॉन्फ्रेंस में इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेटर सेंटर के डायरेक्टर डॉ. अविनाशचंद्र पांडेय ने कहा कि विज्ञान स्वायत्त है। अब हठ योग की जरूरत है। हमें यह देखना होगा कि जो भी समस्या है उसकी वजह और निदान कैसे संभव है। बेसिक साइंस की दिशा में लोगों को जागरुक करना है। विकास ऐसा जो समाज हित में हो, पर्यावरण का ध्यान रखा जाना चाहिए। टीचिंग, रिसर्च व एक्सेंटेशन पर और गहराई से काम होना चाहिए।

मातृभाषा से खुलते हैं उन्नति के सभी रास्ते : सत्यार्थी

कॉन्फ्रेंस में नोबल पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी ने कहा कि मातृभाषा से ही उन्नति के रास्ते खुलते हैं। सृजन मातृभाषा से ही संभव होता है। हम धन संपत्ति से नहीं बल्कि ज्ञान-विज्ञान से विश्वगुरु बनेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीयता मां के दूध के समान है, जो अमूल्य और अद्वितीय है। वहीं, ऑनलाइन उद्बोधन में केंद्रीय कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी ने आत्मनिर्भरता की नींव शिक्षा से ही बनती है।

17 मार्च, 2021

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

दो शिक्षण संस्थानों से सांची विश्वविद्यालय ने किया एम.ओ.यू

- महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय और भारत शोध संस्थान
- स्टूडेंट, फैकल्टी, शोधार्थी के लिए होंगे आपसी एक्सचेंज प्रोग्राम
- एक दूसरे को सहयोग प्रदान करेंगे संस्थान

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा देश के दो नामी शिक्षण संस्थानों के साथ एम.ओ.यू हस्ताक्षरित किया गया है। बिहार के मोतिहारी के महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय व गुजरात के अहमदाबाद स्थित भारत शोध संस्थान, सांची विश्वविद्यालय के साथ शैक्षणिक व शोध के क्षेत्र में एक दूसरे को आपसी सहयोग प्रदान करेंगे। भोपाल में आयोजित सार्थक एडुविज़न नेशनल एक्सपो के दौरान विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ नीरजा गुप्ता व महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ संजीव कुमार शर्मा व भारत शोध संस्थान के प्रमुख के बीच ये आपसी एम.ओ.यू हस्ताक्षरित किए गए।

इन एम.ओ.यू के तहत दोनों ही संस्थान सांची विश्वविद्यालय के साथ आपस में स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम, फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम, रिसर्च स्कॉलर एक्सचेंज प्रोग्राम, स्पॉनसर्ड पी.एच.डी, कोलेबोरेटिव प्रोजेक्ट्स समेत कई अन्य बिंदुओं पर परस्पर सहयोग करेंगे। डॉ. संजीव शर्मा ने एम.ओ.यू हस्ताक्षर के दौरान प्रसन्नता ज़ाहिर करते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को शोध और नवाचार के क्षेत्र में बेहतर कर पाने के अवसर प्राप्त होंगे।

भोपाल में आयोजित किए गए सार्थक एडुविज़न नेशनल एक्सपो में लगाए गए सांची विश्वविद्यालय के स्टॉल पर आज मध्य प्रदेश की संस्कृति मंत्री सुश्री ऊषा ठाकुर भी पहुंचीं। स्टॉल में उपस्थित विश्वविद्यालय के शिक्षकों और अधिकारियों से उन्होंने बातचीत कर महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, व भारत शोध संस्थान के साथ किए गए एम.ओ.यू पर बधाई दी।

दैनिक भास्कर रायसेन 18-03-2021

सहयोग • महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय और भारत शोध संस्थान में होंगे आपसी एक्सचेंज प्रोग्राम

दो शिक्षण संस्थानों से सांची विश्वविद्यालय ने किया एमओयू

भास्कर संवाददाता|रायसेन

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा देश के दो नामी शिक्षण संस्थानों के साथ एमओयू हस्ताक्षरित किया गया है। बिहार के मोतिहारी के महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय व गुजरात के अहमदाबाद स्थित भारत शोध संस्थान, सांची विश्वविद्यालय के साथ शैक्षणिक व शोध के क्षेत्र में एक दूसरे को आपसी सहयोग प्रदान करेंगे। भोपाल में आयोजित सार्थक एडुविजन नेशनल एक्सपो के दौरान विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. नीरजा गुप्ता व महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ संजीव कुमार शर्मा व भारत शोध संस्थान के प्रमुख के बीच ये आपसी एमओयू हस्ताक्षरित किए गए।

हो सकेंगे फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम

इन एमओयू के तहत दोनों ही संस्थान सांची विश्वविद्यालय के साथ आपस में स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम, फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम, रिसर्च स्कॉलर एक्सचेंज प्रोग्राम, स्पांसर्ड पीएचडी कोलेबोरेटिव प्रोजेक्ट्स समेत कई अन्य बिंदुओं पर परस्पर सहयोग करेंगे। डॉ. संजीव शर्मा ने एमओयू हस्ताक्षर के दौरान प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को शोध और नवाचार के क्षेत्र में बेहतर कर पाने के अवसर प्राप्त होंगे। भोपाल में आयोजित किए गए सार्थक एडुविजन नेशनल एक्सपो में लगाए गए सांची विश्वविद्यालय के स्टॉल पर आज मप्र की संस्कृति मंत्री ऊषा ठाकुर भी पहुंचीं। स्टॉल में उपस्थित विश्वविद्यालय के शिक्षकों और अधिकारियों से उन्होंने बातचीत कर महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय व भारत शोध संस्थान के साथ किए गए एमओयू पर बधाई दी।

कुलपति डॉ. नीरजा गुप्ता व महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ संजीव कुमार शर्मा के बीच हुआ एमओयू।

पत्रिका

18.03.2021

सांची विश्वविद्यालय ने दो संस्थानों से किया अनुबंध

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रायसेन. सांची बौद्ध, भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय ने देश के दो नामी शिक्षण संस्थानों के साथ अनुबंध किया है। बिहार के मोतिहारी के महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय व गुजरात के अहमदाबाद स्थित भारत शोध संस्थान के साथ यह अनुबंध किया है। इसमें ये संस्थान सांची विश्वविद्यालय के साथ शैक्षणिक व शोध के क्षेत्र में एक-दूसरे को आपसी सहयोग प्रदान करेंगे। भोपाल में आयोजित सार्थक एडुविजन नेशनल एक्सपो के दौरान विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. नीरजा गुप्ता, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजीव कुमार शर्मा व भारत शोध संस्थान के प्रमुख के बीच अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए।

अनुबंध के तहत दोनों ही संस्थान सांची विश्वविद्यालय के साथ आपस में स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम, फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम, रिसर्च स्कॉलर एक्सचेंज प्रोग्राम, स्पॉनसर्ड पीएचडी कोलेबोरेटिव प्रोजेक्ट्स समेत कई अन्य बिंदुओं पर परस्पर सहयोग करेंगे।

दैनिक भास्कर **मोतीहारी** 17-03-2021

अच्छी खबर • केंद्रीय विवि के साथ मिलकर काम करेंगे माखनलाल पत्रकारिता विवि और सांची बौद्ध विवि, तीनों विवि के बीच हुआ एमओयू

केंद्रीय विवि में शैक्षणिक व शोध में सहयोग करेंगे दो विवि

सिटी रिपोर्टर | मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय ने सार्थक एडुविजन नेशनल एक्सपो के दौरान मध्य प्रदेश के दो ख्यात विश्वविद्यालयों माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल और सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय, सांची के साथ मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) किया। इसके तहत मध्यप्रदेश स्थित दोनों विश्वविद्यालय केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी के साथ शैक्षणिक एवं शोध के क्षेत्र में सहयोग करेंगे। एमओयू पर कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा एवं माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केजी सुरेश तथा सांची बौद्ध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीरजा अरुण गुप्ता ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि भारतीय शिक्षण मंडल के संगठन सचिव मुकुल कनिटकर एवं विशिष्ट अतिथि इंदिरा गांधी कला केंद्र, दिल्ली के सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी मौजूद थे। सार्थक एडुविजन नेशनल एक्सपो के दौरान दोनों संस्थानों तथा केविवि के मध्य हुए समझौते के तहत स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम, फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम, स्कॉलर एक्सचेंज प्रोग्राम, स्पॉन्सर्ड पीएचडी, कलेबोरेटिव प्रोजेक्ट समेत अन्य कई बिंदुओं पर परस्पर सहयोग किया जाएगा।

सार्थक एडुविजन नेशनल एक्सपो के दौरान एमओयू पर हस्ताक्षर के बाद कुलपति व अन्य।

शोध कार्यों को नई दृष्टि मिलेगी : केजी सुरेश

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विवि के कुलपति प्रो. केजी सुरेश ने कहा कि यह समझौता परस्पर अकादमिक सहयोग एवं विशेषकर मीडिया कौशल संवर्धन, प्रायोगिक कौशल को लेकर है। इससे दोनों संस्थानों के शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों में अकादमिक गुणवत्ता वृद्धि होगी। शोध कार्यों को नई दृष्टि मिलेगी एक-दूसरे की कार्य संस्कृति को भी जानने और समझने को अवसर मिलेगा। मौके पर मीडिया अध्ययन विभाग के डॉ. साकेत रमण व पीआरओ शेफालिका मिश्रा भी उपस्थित थीं।

शोध व नवाचार के क्षेत्र में बेहतर करने का भी मिलेगा अवसर : कुलपति

कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने एमओयू को लेकर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को शोध और नवाचार के क्षेत्र में बेहतर करने का अवसर प्राप्त होगा। तीनों संस्थाओं के विद्यार्थी, शोधार्थी व प्राध्यापक एक दूसरे के वैविध्य को जान और समझ सकेंगे, जो सुखद होगा। प्रो. शर्मा ने कहा कि देश में शोध की प्रवृत्ति एवं शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिए तीनों विश्वविद्यालय मिलकर वर्कशॉप, कांफ्रेंस एवं फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का भी आयोजन करेंगे। कुलपति प्रो. शर्मा ने कहा कि तीनों संस्थानों की लाइब्रेरी एवं अन्य संसाधनों का विद्यार्थी एवं शोधार्थी लाभ उठा सकेंगे। साथ ही शैक्षणिक उन्नयन एवं समाज उपयोगी शोध कार्य को बढ़ावा देने के लिए भी साथ मिलकर काम करेंगे।

स्टूडेंट, फैकेल्टी व स्कॉलर एक्सचेंज प्रोग्राम में होगा परस्पर सहयोग

एमपी के दो विश्वविद्यालयों से केविवि ने किया एमओयू

मोतिहारी | **निज प्रतिनिधि**

महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी ने सार्थक एडुविजन नेशनल एक्सपो के दौरान मध्य प्रदेश के दो विश्वविद्यालयों माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल व सांची बौद्ध -भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय, सांची के साथ मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) किया। इस समझौते के तहत मध्यप्रदेश स्थित दोनों विश्वविद्यालय केन्द्रीय विश्वविद्यालय के साथ शैक्षणिक व शोध के क्षेत्र में सहयोग करेंगे।

'मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग' पर कुलपति, प्रो. संजीव कुमार शर्मा, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के जी सुरेश व सांची बौद्ध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीरजा अरुण गुप्ता ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भारतीय शिक्षण मंडल के संगठन सचिव मुकुल कनिटकर एवं विशिष्ट अतिथि इंदिरा गांधी कला केंद्र, दिल्ली के सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी उपस्थित थे।

दोनों संस्थानों व केविवि के बीच हुए समझौते के तहत स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम, फैकेल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम, स्कॉलर एक्सचेंज प्रोग्राम, स्पॉन्सर्ड पीएचडी, कैलेबोरटिव प्रोजेक्ट समेत अन्य कई बिंदुओं पर परस्पर सहयोग किया जाएगा। कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने एमओयू को लेकर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों व शोधार्थियों को शोध व नवाचार के क्षेत्र में बेहतर करने का अवसर प्राप्त होगा। कुलपति प्रो. शर्मा ने कहा कि देश में शोध की प्रवृत्ति व शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिए तीनों विश्वविद्यालय मिलकर वर्कशॉप, कान्फ्रेंस व फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का भी आयोजन करेंगे। कुलपति प्रो. शर्मा ने कहा कि तीनों संस्थानों की लाइब्रेरी व अन्य संसाधनों का विद्यार्थी एवं शोधार्थी लाभ उठा सकेंगे।

गौरतलब है कि नीति आयोग, भारतीय शिक्षण मंडल, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, यूजीसी व देश के अग्रणी शिक्षा नियामक संस्थानों के संयुक्त तत्वावधान में सार्थक एडुविजन नेशनल एक्सपो का आयोजन 15 से 17 मार्च तक भोपाल में किया जा रहा है।

मंगलवार को एमओयू पर हस्ताक्षर करते महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति

मिलेगा अवसर

- कुलपति प्रो संजीव कुमार शर्मा ने किए हस्ताक्षर
- शोध व नवाचार के क्षेत्र में बेहतर करने का मिलेगा अवसर

हिंदुस्तान, 17 मार्च,2021

प्रभात खबर, 17 मार्च, 2021

केविवि का माखनलाल पत्रकारिता विवि व सांची बौद्ध विवि से हुआ एमओयू

एमओयू पर हस्ताक्षर करते कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा व अन्य.

प्रतिनिधि, मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय ने सार्थक एडुविजन नेशनल एक्सपो के दौरान मध्य प्रदेश के माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल व सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय सांची के साथ मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओ यू) किया है. इस समझौते के तहत मध्य प्रदेश स्थित दोनों विश्वविद्यालय केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ शैक्षणिक एवं शोध के क्षेत्र में सहयोग करेंगे. 'मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग' पर कुलपति, प्रो. संजीव कुमार शर्मा एवं माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के जी सुरेश तथा सांची बौद्ध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीरजा अरुण गुप्ता ने हस्ताक्षर किए. इस अवसर पर मुख्य अतिथि भारतीय शिक्षण मंडल के संगठन सचिव मुकुल कनिटकर एवं विशिष्ट अतिथि इंदिरा गांधी कला केंद्र, दिल्ली के सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी उपस्थित थे. सार्थक एडुविजन नेशनल एक्सपो के दौरान दोनों संस्थानों तथा केविवि के मध्य हुए समझौते के तहत स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम, फैकेल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम, स्कॉलर एक्सचेंज प्रोग्राम, स्पॉन्सर्ड पी-एच.डी., कलेबोरटिव प्रोजेक्ट समेत अन्य कई बिंदुओं पर परस्पर सहयोग किया जाएगा. कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने एमओयू को लेकर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को शोध और नवाचार के क्षेत्र में बेहतर करने का अवसर प्राप्त होगा. माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के जी सुरेश ने कहा कि यह समझौता परस्पर अकादमिक सहयोग एवं विशेषकर मीडिया कौशल संवर्धन, प्रायोगिक कौशल को लेकर है. इससे दोनों संस्थानों के शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों में अकादमिक गुणवत्ता वृद्धि होगी.

कैंपस जागरण

महात्मा गांधी केविवि का माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता व सांची बौद्ध विवि से हुआ एमओयू

विद्यार्थियों व शोधार्थियों को शोध और नवाचार के क्षेत्र में बेहतर करने का मिलेगा अवसर

जास, मोतिहारी : महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी ने सार्थक एडुविजन नेशनल एक्सपो के दौरान मध्य प्रदेश के दो विश्वविद्यालयों माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल व सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय, सांची के साथ मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) किया। इस समझौते के तहत मध्यप्रदेश स्थित दोनों विश्वविद्यालय केन्द्रीय विश्वविद्यालय के साथ शैक्षणिक एवं शोध के क्षेत्र में सहयोग करेंगे।

केविवि के साथ एमओयू का पत्र दिखाते कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा व अन्य • जागरण

कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा एवं माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केजी सुरेश तथा सांची बौद्ध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीरजा अरुण गुप्ता ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भारतीय शिक्षण मंडल के संगठन सचिव मुकुल कनिटकर एवं विशिष्ट अतिथि इंदिरा गांधी कला केंद्र, दिल्ली के सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी का सानिध्य तथा मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। सार्थक एडुविजन नेशनल एक्सपो के दौरान दोनों संस्थानों तथा केविवि के मध्य हुए समझौते के तहत स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम, फैकेल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम, स्कॉलर एक्सचेंज प्रोग्राम, स्पॉन्सर्ड पी-एच.डी., कलेबोरेटिव प्रोजेक्ट समेत अन्य कई बिंदुओं पर परस्पर सहयोग किया जाएगा। कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने एमओयू को लेकर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को शोध और नवाचार के क्षेत्र में बेहतर करने का अवसर प्राप्त होगा। तीनों संस्थाओं के विद्यार्थी, शोधार्थी व प्राध्यापक एक दूसरे के वैविध्य को जान और समझ सकेंगे, जो सुखद होगा। शोध एवं अनुसंधान की प्रवृत्ति पर प्रकाश डालते हुए कुलपति प्रो. शर्मा ने कहा कि देश में शोध की प्रवृत्ति एवं शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिए तीनों विश्वविद्यालय मिलकर वर्कशॉप, कान्फ्रेंस एवं फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का भी आयोजन करेंगे। कुलपति प्रो. शर्मा ने कहा कि तीनों संस्थानों की लाइब्रेरी एवं अन्य संसाधनों का विद्यार्थी एवं शोधार्थी लाभ उठा सकेंगे। इस समझौते के तहत तीनों विश्वविद्यालय परस्पर मिलकर वर्कशॉप एवं अन्य आयोजन के साथ-साथ विविध एक्सटेंशन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी कर सकेंगे। इस अवसर पर माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के जी सुरेश ने कहा कि यह समझौता परस्पर अकादमिक सहयोग एवं विशेषकर मीडिया कौशल संवर्धन, प्रायोगिक कौशल को लेकर है। इससे शोध कार्यों को नई दृष्टि मिलेगी तथा एक दूसरे की कार्य संस्कृति को भी जानने का अवसर मिलेगा। केन्द्रीय विश्वविद्यालय ओर से मीडिया अध्ययन विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. साकेत रमण व जनसंपर्क अधिकारी शेफालिका मिश्रा भी थीं। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव प्रो. अविनाश वाजपेयी, पत्रकारिता विभाग की अध्यक्ष डॉ. राखी तिवारी, डॉ. आशीष जोशी, डॉ. पवन सिंह मलिक, सतेंद्र डेहेरिया भी थे।

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

23 मार्च, 2021

शहीद दिवस पर भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरू को याद किया गया

- **सांची विश्वविद्यालय में आज़ादी का अमृत महोत्सव**
- **स्वतंत्रता आंदोलन में नारों के महत्व पर परिचर्चा**

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में आज ‘आजादी के अमृत महोत्सव’ के तहत शहीद दिवस मनाया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय में एक व्याख्यानमाला आयोजित कर देश की आज़ादी के अमर सपूतों- भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेव को याद किया गया। 23 मार्च 1931 को लाहौर जेल में बंद इन तीन देश के सपूतों को अंग्रेज़ों ने फांसी दे दी थी।

इस मौके पर विश्वविद्यालय के सह प्राध्यापक डॉ नवीन मेहता ने दिनांकवार आज़ादी की अमर गाथा को प्रस्तुत किया। डॉ मेहता ने अंग्रेज़ों के साथ लड़ी गई आज़ादी की लंबी लड़ाई के दौरान अलग-अलग राजनेताओं और क्रांतिकारियों द्वारा दिए गए नारों का ज़िक्र किया।

डॉ मेहता ने बताया कि ‘इंकलाब ज़िंदाबाद’ का नारा कहा से लिया गया था। इसी तरह से आज़ादी की लड़ाई में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, बंकिम चंद चटर्जी, गुरुदेव रविंद्रनाथ टैगोर इत्यादि को याद किया गया। डॉ नवीन मेहता ने बताया कि कैसे इन नारों के द्वारा राजनेताओं द्वारा जनआंदोलन बनाया गया और इसने अंग्रेज़ों से लोहा लेने के लिए आम लोगों को प्रेरित किया ।

अंग्रेज़ों भारत छोड़ो, करो या मरो, तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आज़ादी दूंगा, सरफरोशी की तम्न्ना अब हमारे दिल में है, मारो फिरंगी को, स्वराज, विजयी ये विश्व तिरंगा प्यारा, वंदेमातरम इत्यादि नारों का ज़िक्र भी किया गया। इस मौके पर मध्य प्रदेश के वीर क्रांतिकारी व स्वतंत्रता सैनानी चंद्रशेखर आज़ाद को भी याद किया गया।

पूरे देश के साथ-साथ मध्य प्रदेश सरकार भी आज़ादी के 75 वर्ष होने पर आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रही है। इसी तारतम्य में सांची विश्वविद्यालय में भी लगातार अभिभाषण व परिचर्चाएं आयोजित की जा रही हैं।

दैनिक भास्कर रायसेन 24-03-2021

शहीद दिवस • अमृत महोत्सव में सांची विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता आंदोलन में नारों के महत्व पर परिचर्चा

भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरू के बलिदान को याद किया

भास्कर संवाददाता | रायसेन

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में आज आजादी के अमृत महोत्सव के तहत शहीद दिवस मनाया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय में एक व्याख्यानमाला आयोजित कर देश की आजादी के अमर सपूतों- भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव को याद किया गया। 23 मार्च 1931 को लाहौर जेल में बंद इन तीन देश के सपूतों को अंग्रेजों ने फांसी दे दी थी।

इस मौके पर विश्वविद्यालय के सह प्राध्यापक डॉ. नवीन मेहता ने आजादी की अमर गाथा को प्रस्तुत किया। डॉ. मेहता ने अंग्रेजों के साथ लड़ी गई आजादी की लंबी लड़ाई के दौरान अलग-अलग राजनेताओं और क्रांतिकारियों द्वारा दिए गए नारों का जिक्र किया।

आजादी के नारों से खड़ा किया जन आंदोलन

डॉ. मेहता ने बताया कि इंकलाब जिंदाबाद का नारा कहां से लिया गया था। इसी तरह से आजादी की लड़ाई में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, बंकिम चंद चटर्जी, गुरुदेव रविंद्रनाथ टैगोर इत्यादि को याद किया गया। डॉ. नवीन मेहता ने बताया कि कैसे इन नारों के द्वारा राजनेताओं द्वारा जन आंदोलन बनाया गया और इसने अंग्रेजों से लोहा लेने के लिए आम लोगों को प्रेरित किया। अंग्रेजों भारत छोड़ो, करो या मरो, तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा, सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, मारो फिरंगी को, स्वराज, विजयी ये विश्व तिरंगा प्यारा, वंदेमातरम इत्यादि नारों का जिक्र भी किया गया। इस मौके पर मध्य प्रदेश के वीर क्रांतिकारी व स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद को भी याद किया गया। पूरे देश के साथ-साथ मध्य प्रदेश सरकार भी आजादी के 75 वर्ष होने पर आजादी का अमृत महोत्सव मना रही है। इसी तारतम्य में सांची विश्वविद्यालय में भी लगातार अभिभाषण व परिचर्चाएं आयोजित की जा रही हैं।

सांची बौद्ध विश्वविद्यालय में कार्यशाला आयोजित की गई।

पत्रिका

24.03.2021 Raisen

सांची युनिवर्सिटी में स्वतंत्रता आंदोलन में नारों के महत्व पर परिचर्चा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रायसेन. परिचर्चा में शामिल हुए लोग।

रायसेन. सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में मंगलवार को आजादी के अमृत महोत्सव के तहत शहीद दिवस मनाया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय में एक व्याख्यानमाला आयोजित कर देश की आज़ादी के अमर सपूतों भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव को याद किया गया। 23 मार्च 1931 को लाहौर जेल में बंद इन तीन देश के सपूतों को अंग्रेजों ने फांसी दे दी थी।

इस मौके पर विश्वविद्यालय के सह प्राध्यापक डॉ. नवीन मेहता ने दिनांकवार आजादी की अमर गाथा को प्रस्तुत किया। डॉ. मेहता ने अंग्रेजों के साथ लड़ी गई आजादी की लंबी लड़ाई के दौरान अलग-अलग राजनेताओं और क्रांतिकारियों द्वारा दिए गए नारों का जिक्र किया। आजादी की लड़ाई में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, बंकिम चंद चटर्जी, गुरुदेव रविंद्रनाथ टैगोर आदि को याद किया।। डॉ. नवीन मेहता ने बताया कि कैसे, नारों के द्वारा राजनेताओं द्वारा जनआंदोलन बनाया गया और इसने अंग्रेजों से लोहा लेने के लिए आम लोगों को प्रेरित किया।